रांची एक्सप्रेस
रांची, शुक्रवार 20 जून 2014

दमकलकर्मी विमल का राज अस्पताल में हुआ सफल आपरेशन

रांची, 19 जून (रां.ए.सं.) : 11 जून को मेन रोड स्थित जेडी कॉम्पलेक्स में लगी आग को बुझाने के क्रम में दमकल कर्मी विमलचंद मांझी के जख्मी हाथ का प्लास्टिक सर्जन डा. पंकज कुमार ने राज अस्पताल में सफल आपरेशन कर कटे नस को जोड़ दिया है। लगभग छह घंटे तक चले इस ऑपरेशन में एनेस्थेटिक्स डा. एके सिन्हा, ओटी कर्मी निसाद और उनकी टीम के सहयोग से डा. पंकज ने पैर का आर्टरी निकालकर हाथ की नली में जोड़ा। आज पत्रकारों से बात करते हुए डा. पंकज ने बताया कि मरीज का का हाथ बुरी तरह क्षतिग्रस्त हो गया था। हाथ की मुख्य नली कट

■ प्लास्टिक सर्जन डा. पंकज ने जोड़ा कटा नस

चुकी थी और अंगुलियों को संचालित करने वाले नस भी कट गये थे। 12 जून को मरीज का माइक्रो वैस्कुलर सर्जरी किया गया और आज वह अपनी अंगुलियों को हिला-डुला पर रहा है। उन्होंने बताया कि राज अस्पताल में माइक्रो वैस्कुलर सर्जरी की पूरी व्यवस्था है। अगर दुर्घटना में किसी व्यक्ति का कोई अंग कट जाये या वह बुरी तरह क्षतिग्रस्त हो जाये तो तीन से छह घंटे के अंदर उसे चिकित्सक के पास जाना चाहिए। इस प्रकार की सर्जरी में ऑपरेशन का खर्च 40 से 50 हजार रुपये आता है। मरीज को पूरी तरह स्वस्थ होने में लगभग ढेड माह का समय लगता है। अस्पताल के निदेशक साहिल गंभीर ने बताया कि मरीज के इलाज में जो भी खर्च हो रहा है, उसका भुगतान ना तो विभाग की ओर से किया गया है और नाही परिजनों की ओर से।

विभाग से नहीं मिल रही है मदद

दमकल कर्मी विमलचंद मांझी ने बताया कि दुर्घनाग्रस्त होने के बाद विभाग ने उनकी कोई सुध नहीं ली और नाही किसी प्रकार की आर्थिक सहायता का ही आश्वासन दिया। श्री मांझी धनबाद के एक गाव के रहने वाले हैं और काफी गरीब परिवार से आते हैं। उनके घर में उनके अलावे कोई और कमानेवाला नहीं है। किसी प्रकार चंदा आदि कर उनको स्थानीय लोगों ने राज अस्पताल में भर्ती कराया है। वह सरकार से मदद चाहते हैं और विभाग की ओर से चिकित्सीय सहायता और छुट्टी की मांग कर रहे हैं।

रांची. शुक्रवार, 20 जून. 2014
web www.khabarmantra.com
खबर मन्त्र 6

राज अस्पताल में हुई माइक्रो वैस्कुलर सर्जरी

रांची। राज अस्पताल में फायर ब्रिगेड कर्मचारी विमलचंद्र मांझी की गुरुवार को माइक्रो वैस्कुलर सर्जरी की गयी। डॉ पंकज कुमार ने बताया कि ऑपरेशन के बाद मरीज का हाथ काम करने लगा है। इस ऑपरेशन में पैर से खून की नली (वेन) को निकाल कर मरीज के हाथ में लगाया गया है। हाथ की अंगुलियों और कलाई को चलाने वाली नसों को भी जोड़ा गया। दुर्घटना के पांच दिन हो गये हैं। मरीज का हाथ पूरी तरह से ठीक है। चिकित्सकों के मुताबिक राज अस्पताल में माइक्रो वैस्कुलर ऑपरेशन की सुविधा है। मरीज को सावधानियां बरतनी होगी। मरीज को ठीक होने पर छह सप्ताह लगेंगे।